एम. ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 4644

चतुर्थ प्रश्न पत्र: भाषाविज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. भाषाविज्ञान (इसके अन्तर्गत कुछ चुने हुए विषय)
2. कारकप्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी का)
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरण-शैषिक पर्यन्त) तथा समास प्रकरण।
4. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में) ।

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - भाषा विज्ञान

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है -

भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषयवस्तु एवं विभिन्न पद्धतियाँ, भाषा की परिभाषा, भाषा का स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएँ, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण-(आकृतिमूलक एवं आनुवंशिक), आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा अपभ्रंश के विशेष संदर्भ में), पाली, प्राकृत एवं संस्कृत भाषा की उत्पत्ति।

द्वितीय इकाई - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी से)

तृतीय इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी का तद्धित प्रकरण शैषिक पर्यन्त।

चतुर्थ इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण।

पंचम इकाई - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण -

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **20** अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50** अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित है।

इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। **10** अंक

(ख) कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) से चार सूत्र अथवा वार्त्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी। **10** अंक

(ग) तद्धित प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी-शैषिक भाग पर्यन्त) चार शब्द देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(घ) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) से किन्ही चार समस्त-पदों को देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। **10** अंक

(ङ.) हिन्दी भाषा में विकल्पसहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिए दिया जाएगा। **10** अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **30** अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15-15** अंक निर्धारित हैं।

प्रथम खंड के अन्तर्गत उपर्युक्त भाषाविज्ञान के विषय होंगे। **15** अंक

द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यवस्था है - **15** अंक

(**1**) कारकसूत्रों अथवा वार्त्तिकों की व्याख्या कोई चार देकर दो की।

(**2**) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई चार देकर दो की ।

सहायक पुस्तकें -

1. भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषाविज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. भाषाविज्ञान - मंगलदेव शास्त्री

4. आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका - डॉ. मोतीलाल गुप्त एवं रघुवीर प्रसाद भटनागर (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)
5. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन - भोलाशंकर व्यास
6. संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय - डॉ. देवीदत्त शर्मा
7. कारकप्रकरण - व्याख्या श्रीधरानन्द शास्त्री
8. लघुसिद्धान्त कौमुदी - व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
9. प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
10. बृहदनुवादचन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
11. अनुवादकला - चारुदेव शास्त्री
12. संस्कृतव्याकरण - कपिलदेव द्विवेदी
13. भाषाविज्ञानस्य रूपरेखा - पं. गिरिधरलाल शास्त्री
14. सिद्धान्तकौमुदी - द्वितीय भाग - पं. बालकृष्ण व्यास
15. कारकप्रबोध - डॉ. हेमलता बोलिया

*****